नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 263 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, सोमवार 1 अगस्त 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

खेल प्रशिक्षण केंद्र के राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में शामिल होंगी ...

जितनी एकता आदिवासी दिवस मनाने में दिखती है उससे कहीं ज्यादा एकता....

पेज -2 पर

धीवर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ, मुख्यमंत्री धीवर समाज के महासम्मेलन में हुए शामिल

मछली पालन को कृषि का दर्जा के साथ मछुआरों की बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्य : भूपेश बघेल

रायपुर। जब से हमारी सरकार बनी समाज के हर वर्ग के चाहे वह कृषक हो या मजदूर हो सभी वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कार्य किए गए है। मछुआरा वर्ग की बेहतरी के लिए अनेक कार्य किए। मछली पालन नीति बनाई। हमने मछली पालन को कृषि का दर्जा दिया है, जिससे अब मछुआरों को शून्य प्रतिशत पर ऋण की सुविधा मिल रही है।

मत्स्य पालकों को अब कृषकों जैसी तमाम सुविधाएं मिलने लगी है। इससे प्रदेश के मछली पालक मछुवारें तेजी से आगे बढ़ेंगे, जीवन स्तर में भी सुधार आएगा और मत्स्य पालन के क्षेत्र में पूरे देश में आगे बढ़ेंगे। यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कृषि विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित धीवर समाज के महासम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने धीवर समाज को जमीन आबंटन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन बनाने के लिए मदद देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने धीवर समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ भी दिलवाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य की औसत मत्स्य उत्पादकता 4000 मेट्रिक टन प्रति हेक्टेयर हो चुकी है। प्रगतिशील मत्स्य कृषक उन्नत प्रजातियों का पालन करके प्रति हेक्टेयर 8000 से 10,000 मेट्रिक टन तक उत्पादन करने लगे हैं। छत्तीसगढ़ की प्रकृति और यहां का वातावरण मछली पालन के लिए पूरी तरह अनुकूल है। उन्होंने कहा है कि हमारे राज्य की भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है कि यहां मत्स्य पालन व्यवसाय के लिए बहुत संभावनाएं हैं। अब प्रदेश में मछली के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। शासन द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है मछली उत्पादन में वृद्धि हो। अब गांवों के साथ-साथ बड़े-बड़े बांधों को भी मछली पालन के लिए प्रयोग किया जाने लगा है। यहां तक की घर के आंगन में भी टैंक बनाकर मछली पालन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मछली पालकों को बायो फ्लॉक तकनीकी से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य कृषकों को 7.50 लाख रुपए की इकाई पर 40 प्रतिशत की अनुदान सहायता दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

6 साल की बच्ची अयोध्या के दंडवत सफर पर

रायपुर की योगिता ने लेट कर तय किया 300 किमी का सफर

रायपुर । रायपुर का एक परिवार करीब 752 किमी दूर अयोध्या की यात्रा पर निकला है। इस वक्त ये परिवार करीब 300 किलोमीटर दूर शहडोल पहुंचा है। ये यात्रा बेहद कठिन है। इसे फ्लाइट, ट्रेन या बस से पूरा नहीं किया जा रहा। बल्कि पूरी सड़क पर दंडवत लेट-लेटकर किया जा रहा है। 6 साल की बच्ची योगिता साहू भी राम भक्ति में डूबकर इसी तरह यात्रा कर रही है। मां-बाप भी इस यात्रा में शामिल हैं। योगिता के पिता राकेश साहू ने बताया कि मैं मेरी पत्नी, और हमारे परिवार से जुड़े कुल 16 लोगों का दल यात्रा पर निकला है। तीन महीने पहले शुरू हुई इस यात्रा में अब हम शहडोल पहुंचे हैं। हम रात किसी सामुदायिक भवन या पंचायत भवन में गुजारते हैं। इसके बाद सुबह से फिर आगे बढ़ते हैं। शरीर पर इस यात्रा का कम नुकसान हो इसलिए कुछ गद्दे साथ लेकर ये परिवार चल रहा है। सड़क पर गद्दे डालकर उस पर दंडवत लेट-लेटकर आगे बढ़ता है।

एक नजर

15 किलो गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

रायपुर । गुढियारी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ट्रेन से गांजा तस्करी करने वाले दो अंतर्राज्यीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 किलो गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 में दो युवक भारी मात्रा में गांजा रखे हुए है और ट्रेन का इंतजार कर रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने दोनों युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ किया तो आरोपियों ने अपना नाम विशाल रैकवार 19 वर्ष व नितिन अहिरवार 20 वर्ष बताया। दोनों आरोपी विदिशा मध्यप्रदेश के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो बैग में 15 किलो गांजा बरामद किया है।

चाकू के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर । पुरानी बस्ती पुलिस ने भाठागांव शराब दुकान के पास चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि भाठागांव शराब दुकान के पास एक युवक चाकू लेकर लोगों को डरा धमका रहा है।

सरगुजा के तीन जिलों को सूखा घोषित करने की मांग

विधायकों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, कहा-फसलों का मुआवजा देकर राहत कार्य शुरू कराएं

रायपुर। सरगुजा संभाग के तीन जिलों पर सूखे का असर दिखने से स्थानीय राजनीति भी गर्म है। वहां सूखा घोषित कर राहत कार्य शुरू करने की मांग उठने लगी है। कांग्रेस के क्षेत्रीय विधायकों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर सरगुजा, जशपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिले को सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग की है।

रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह ने मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा है। इस पत्र पर कुनकुरी विधायक यूडी मिंज और भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो के भी हस्ताक्षर हैं। इस पत्र में कहा गया है, 30 जुलाई तक सरगुजा संभाग के तीन जिलों

बलरामपुर, जशपुर और अंबिकापुर में औसतन 40त्न से कम वर्षा हुई है। किसानों की फसल खेतों में ही सूख चुकी है। गांवों में किसानों-मजदूरों के लिए किसी मद में कोई काम संचालित नहीं हो रहा है। रोजगार गारंटी का भी काम नहीं चल रहा है।

विधायकों ने तीनों जिलों को सूखा प्रभावित घोषित कर फसलों का मुआवजा देने की मांग की है। उनकी मांग है कि गांवों में रोजगार पैदा करने वाले और राहत पहुंचाने वाले काम भी शुरू कराए जाएं। विधायकों की इस मांग पर विपक्ष भी हमलावर है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा है, कांग्रेस विधायकों के इस पत्र से साफ है कि छत्तीसगढ़ के गांव में किसानों और मजदूरों के लिए रोजगार मूलक कार्य किसी मद में संचालित नहीं हो रहा है। साथ ही रोजगार गारंटी के काम भी नहीं हो रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक एक जून से 31 जुलाई तक छत्तीसगढ़ में 579.2 मिलीमीटर तक बरसात हो चुकी है। यह सामान्य औसत 569 मिमी से 2त्न अधिक है। इस बीच सरगुजा संभाग के तीन जिले सबसे सूखे रह गए हैं। अंबिकापुर में सामान्य औसत बरसात 645.9 मिमी से 65त्न कम पानी गिरा है।

दारूबाज अधीक्षक से परेशान आदिवासी छात्र

बोले-न खाना मिलता है और न ही तेल-साबुन; कलेक्टर के पास पहुंचे बच्चे

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के एक नक्सल प्रभावित गांव के आदिवासी छात्र आश्रम अधीक्षक की प्रताड़ना झेल रहे है। बच्चों का आरोप है कि अधीक्षक दारू पीकर आश्रम में आते हैं। खाना मांगने पर समय से नहीं देते हैं और न ही साबुन, तेल जैसी जरूरतें पूरी करते हैं। सिर्फ दारू पीकर गालियां देते हैं। यदि खाना मिलता भी है तो सिर्फ दाल और चावल दिया जाता है। उसे भी पेट भर नहीं खिलाते हैं। बच्चों समेत ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत दंतेवाड़ा कलेक्टर विनीत नंदनवार और सहायक आयुक्त से की है।

दरअसल, यह मामला कटेकल्याण ब्लॉक के नक्सल प्रभावित गांव गुड़से के आश्रम शाला का है। साल 2013-14 में यहां 100 सीटर आश्रम शाला का शुभारंभ किया गया था। वर्तमान में इस 100 आश्रम में 30 बच्चे रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। ग्रामीणों और बच्चों का कहना है कि आश्रम अधीक्षक धीरज कुमार नाग का बर्ताव सही नहीं रहता। इसलिए कई बच्चे या तो पढ़ाई छोड़ रहे हैं या फिर घर जाने के बाद दोबारा आश्रम नहीं आ रहे। यदि गांव के ग्रामीण अधीक्षक के इस रवैया का विरोध करते हैं तो उनके साथ भी बुरा बर्ताव किया जाता है।

नए अधीक्षक की मांग

गांव के ग्रामीणों ने अधीक्षक का विरोध किया है। सभी कलेक्टर और सहायक आयुक्त से मिलने जिला मुख्यालय भी पहुंचे। ग्रामीणों और बच्चों ने आश्रम अधीक्षक को हटाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए अधीक्षक धीरज कुमार नाग को हटाया जाए। इनकी जगह किसी दूसरे अधीक्षक की नियुक्ति की जाए।

10 रुपए देकर 13 साल की लड़की से गैंगरेप

76 साल के बूढ़े और 47 साल के अधेड़ दुकानदार ने किया रेप

पलारी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में 13 साल की से एक वृद्ध और अधेड़ ने गैंगरेप किया। 76 साल का बूढ़ा 10 रुपए का लालच देकर बच्ची को अपने साथ ले गया और रेप किया। पास के दुकानदार को पता चला तो उसने भी बच्ची को शिकार बनाया। तीन दिनों तक दोनों दुष्कर्म करते रहे। तीसरे दिन पड़ोसी महिला ने देखा तो मामला खुला। इसके बाद बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कोतवाली से करीब 5 किमी दूर एक गांव में रहने वाली 13 साल की बच्ची बेहद गरीब परिवार से है। वह परिजनों के साथ कचरा बीनने का काम करती है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को बच्ची को गांव के ही 76 साल के आरोपी कुंजराम वर्मा ने देखा तो उसे बुलाया। फिर 10 रुपए देने की बात कहकर अपने घर ले गया। उस समय घर के सभी लोग काम से बाहर गए हुए थे। वहां आरोपी ने बच्ची से दुष्कर्म किया। अगले दिन आरोपी ने फिर बच्ची को बुलाया और दुष्कर्म किया।

हड़ताल से वैक्सीनेशन पर ब्रेक, 98 नए संक्रमित

वेतन विसंगति की हड़ताल ने रोका कोरोना टीकाकरण; न कर्मचारी मिल रहे, न डॉक्टर

भिलाई। दुर्ग-भिलाई में 30 जुलाई से 1 अगस्त चलाया जाने वाला कोविड वैक्सीनेशन अभियान राज्य व्यापी हड़ताल की भेंट चढ़ गया है। इससे पहले की स्वास्थ्य विभाग दुर्ग कलेक्टर के निर्देशानुसार तीन दिवसीय अभियान को चलाता सभी संविदा डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। इसकी वजह से जिले में यह अभियान शुरू होने से पहले ही रोकना पड़ा। दुर्ग सीएमएचओ डॉ. जेपी मेश्राम ने बताया कि अभियान का पूरा रोडमैप तैयार कर लिया गया था। अभियान के तहत घर-घर जाकर लोगों को बूस्टर डोज लगाना था। जिले में जिस तेजी से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं उस लिहाज से यह अभियान चलाना बहुत जरूरी था। सभी स्वास्थ्य कर्मियों के सामूहिक हड़ताल में जाने से अभियान चलाने के लिए कर्मचारी नहीं मिले। इसे देखते हुए इस अभियान को आगे के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है। टीकाकरण में लगी टीम को शुक्रवार को ही मोबाइल के माध्यम से मैसेज दे दिया गया था कि टीकाकरण अभियान कैंसिल कर दिया गया है। जल्द ही अभियान की नई तारीख तय की जाएगी।

तैयार हो चुका था पूरा प्लान

यह तीन दिवसीय अभियान मील का पत्थर साबित हो, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने पूरा प्लान तैयार कर लिया था। इसके तहत भिलाई, रिसाली और जामुल के 140 बूथों में शनिवार से कोविड वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया जाना था।

दीक्षांत समारोह

विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

विधिक शिक्षा के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है छत्तीसगढ़

रायपुर। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री एन. वी. रमणा ने आज रायपुर में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ज्यूडिशियल कम्युनिटी के बजट और अधोसंरचना सम्बंधित सभी आवश्यकताओं का पूरा ख्याल रख रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये ट्रेंड इसी तरह जारी रहेगा और छत्तीसगढ़ ज्यूडिशियरी को सर्वोत्तम अधोसंरचना उपलब्ध कराने में अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा। मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री एन. वी. रमणा ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ में विधिक शिक्षा के विकास में सक्रिय रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ की जनता को गुड गवर्नेंस प्रदान करने उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज देश के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री एन वी रमणा हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई श्री रमणा ने छात्रों से कहा कि आप सभी के पास एक विजन होना चाहिए और उसे पाने के लिए आप सभी के भीतर जोश और जज्बा होना चाहिए। सीजेआई श्री रमणा ने छात्रो से कहा कि आप सभी इस देश के लिए अनमोल हैं और हम सभी को टेलेन्डेट माइन्ड्स को सही दिशा मे ले जाने की जरूरत है। रायपुर के हिदायतुल्ला नेशनल लॉ युनिवर्सिटी की तारीफ करते हुए सीजेआई श्री एन वी रमणा ने कहा कि इसका नाम एक महान विधिवेत्ता के नाम पर रखा गया है जिन्होंने अपना पूरा जीवन विधि के नाम पर समर्पित कर दिया था।

युवक पर चढ़ाई बस, ड्राइवर की लात-घूंसों से पिटाई

मौके पर ही चले गई युवक की जान, महिला और बच्ची की हालत गंभीर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां एक बस युवक के ऊपर ही चढ़ गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं एक बच्ची और महिला की हालत गंभीर है। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन लोगों ने ड्राइवर को लात-घूंसों से पीट दिया है। बताया जा रहा है कि बस ने बाइक सवारों को पीछे से टक्कर मारी थी। जिसके चलते ये हादसा हुआ है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

रविवार को कपसिया का रहने वाला अमन सतनामी(25) अपनी मां दौपदी सतनामी(50) और एक बच्ची रिया के साथ अपने किसी रिश्तेदार के यहां छठी कार्यक्रम में शामिल होने बाइक से जा रहा था। ये अभी दोपहर को करीब 12.30 बजे के आस-पास गनियारी के पास पहुंचा था, तभी पीछे से आ रही बस ने इन्हें चपेट में ले लिया। इससे मौके पर ही अमन की मौत हो गई।

बताया गया है कि अमन अपनी बाइक से आगे जा रहा था। वहीं बस पीछे थी, तभी एक मवेशी सामने से आ गई और उसे ही बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर ने बस को गलत साइड में मोड दिया। जिसके बाद आगे जा रहा अमन बस के पिछले टायर के नीचे आ गया और उसकी मौत हो गई। जबकि रिया और द्रौपदी दूर जाकर फेंका गए थे।

कोटा से बिलासपुर की तरफ जा रही थी बस

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, बस भी रोड से किनारे उतर गई। आस-पास के लोग मौके पर पहुंच गए थे। इसके बाद ड्राइवर को उन्होंने बस से नीचे उतार लिया और जमकर पीट दिया।

रूस के साथ लंबे युद्ध पर चीन की मौन स्वीकृति के मायने

इस बात को पांच महीने हो गए, जब पहली बार रूसी टैंक यूक्रेन के क्षेत्र में भीतर तक घुस गए थे और जब रूसी विमानों ने यूक्रेन के कस्बों और गांवों में बमबारी की थी। यह एक बर्बर खूनी युद्ध है, जिसमें संभवत: 20,000 रूसी सैनिक मारे गए हैं और इससे दोगुना यूक्रेन के सैनिक मारे जा चुके हैं। काफी संख्या में नागरिक भी मारे गए हैं। लाखों यूक्रेनियों को अपने वतन से भागकर दूसरे देशों में अस्थायी या स्थायी रूप से शरण लेने को मजबूर होना पड़ा है।

यूक्रेन की अर्थव्यवस्था तबाह हो चुकी है; संघर्ष के खत्म होने के बाद उसे पहले जैसी स्थिति में आने में दशकों लगेंगे। आम रूसियों का जीवन और उनकी आजीविका पश्चिमी प्रतिबंधों और राष्ट्रपति पुतिन द्वारा छेड़े गए युद्ध के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई है। मैं रूसी सेना की बर्बरता, उनके द्वारा शहरों के पूरे ढांचे का विनाश, अस्पतालों और नागरिक ठिकानों पर उनकी बमबारी और यूक्रेनी महिलाओं पर उनके हमलों को देखकर भयभीत हो गया।

भारत के नागरिक के रूप में इस संघर्ष को देखते हुए, मैं अपने देश की सरकार की भीरुता, हमले की निंदा करने से उसके इनकार और रूसी उत्पीड़न पर उसकी चुप्पी से निराश हूं। फरवरी के आखिर में जब युद्ध शुरू हुआ, तब शायद भारत सरकार के लिए इंतजार करो और देखो की नीति अपनाना जरूरी था। यह स्पष्ट नहीं था कि युद्ध कितना लंबा चलेगा; यहां तक कि जल्द सुलह की बात भी की जा रही थी। और हजारों भारतीय विद्यार्थियों की यूक्रेन से घर वापसी स्वाभाविक रूप से शीर्ष प्राथमिकता थी। हालांकि जब मार्च के बाद अप्रैल आ गया और अप्रैल के बाद मई, और रूसी बलों की क्रूरता अधिक व्यापक हो गई, तब लंबे समय तक तटस्थ नहीं रहा जा सकता था।

संकटकाल - यूक्रेन पर हमारी चुप्पी

पुतिन की कार्रवाइयों को चीन के मौन समर्थन को देखते हुए, अगर हमारी सरकार ने हमले की अधिक स्पष्ट रूप से निंदा की होती, तो इससे पुतिन और उनके शासन पर वास्तविक दबाव बनाने में मदद मिल सकती थी। इससे विश्व मंच पर हमारी विश्वसनीयता भी बढ़ती।

यह स्पष्ट था कि पश्चिमी उकसावे की प्रतिक्रिया के रूप में आक्रमण की सभी बातें खोखली थीं। जिसमें जरा भी समझ होगी, तो वह देख सकता है कि पुतिन ने यह युद्ध यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनने से रोकने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए थोपा, ताकि वह उनके आगे न झुकने वाले यूक्रेनियों को सबक सिखा सकें। रूसी राष्ट्रपति को भ्रम है कि वह एक मध्ययुगीन सम्राट का आधुनिक अवतार हैं, जो रूस और उसके सभी पड़ोसियों को एक सर्वशक्तिमान नेता के अधीन एक राष्ट्र के भीतर एकजुट करना चाहता है। वह खुद और उनकी सेना इस कल्पना को हकीकत में बदलने की कोशिश कर रहे हैं, फिर यूक्रेनियों और यकीनन खुद रूसियों को भी इसकी चाहे जो कीमत चुकानी पड़े। (नवीनतम, लेकिन किसी भी तरह से पुतिन शासन की बर्बरता का यह कमतर उदाहरण नहीं है कि उसने यूक्रेन को गेहूं निर्यात करने की अनुमति देने वाले समझौते पर हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद ओडेसा के बंदरगाह शहर पर बमबारी कर दी।) राष्ट्रपति पुतिन मानते हैं कि यूक्रेनवासी वास्तव में रूसी हैं, चाहे उनका नाम कुछ और क्यों न हो, और इसलिए अपनी मातृभूमि से उनके एकीकृत होने की आवश्यकता है, जरूरत पड़े तो बल के दम पर भी। हालांकि, अगर इन पांच महीनों के युद्ध ने कुछ भी प्रकट किया है, तो यह है कि यूक्रेनियों के बीच राष्ट्रवाद की भावना वास्तव में बहुत गहरी है। रूसी साम्राज्यवाद के विरुद्ध यूक्रेनी प्रतिरोध को सक्रिय करने वाली राष्ट्रवाद की भावना ने कभी अमेरिकी साम्राज्यवाद के विरुद्ध वियतनाम के प्रतिरोध को प्रेरित करने वाली राष्ट्रवाद की भावना की याद दिला दी है। यह याद करना समझदारी होगी कि भारत ने, जो कि खुद एक साम्राज्यवादी ताकत के खिलाफ अपने सफल स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में एक देश के रूप में आजाद हुआ, वियतनामियों का तब तुरंत समर्थन किया था, जब उन्होंने पहले फ्रांस से और फिर अमेरिका से खुद की मुक्ति चाही थी। 1960 के दशक में अमेरिकी आर्थिक और सैन्य मदद- अकाल से निपटने के लिए आर्थिक मदद जब जरूरी थी- पर भारत की निर्भरता के बावजूद हमने अमेरिकी सरकार से यह कहने में हिचक नहीं दिखाई कि वह वियतनाम में जो कर रही है वह नैतिक रूप से गलत होने के साथ ही राजनीतिक रूप से नासमझी है।

रामचंद्र गुहा

संपादकीय

मुफ्त में कोई कुछ नहीं बांटता

हकीकत यह है कि कोई भी सरकार किसी नागरिक को मुफ्त में कुछ नहीं देती है। देश के नागरिक हर सेवा या वस्तु के लिए कर के रूप में कीमत चुकाते हैं। उसी पैसे से नागरिकों को कुछ सेवाएं या वस्तुएं दी जाती हैं। यह गजब बात है, जो सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह चुनावों में मुफ्त बांटने की पार्टियों की घोषणाओं पर रोक लगाने के उपाय खोजे। गजब इसलिए है क्योंकि कुछ दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगा कर इसकी मांग की गई थी, तब अदालत ने याचिका खारिज कर दी थी कि वह इस मामले में कुछ नहीं कर सकती है। लेकिन जैसे ही प्रधानमंत्री ने 'रेवड़ी कल्चर' का मुद्दा उठा कर इस पर निशाना साधना शुरू किया वैसे ही सुप्रीम कोर्ट को लगा कि केंद्र सरकार इस पर रोक लगाने के उपाय खोज सकती है। सवाल है कि लोक कल्याणकारी राज्य में नागरिकों को कोई वस्तु या सेवा देने में क्या गलत है और इसे क्यों रोका जाना चाहिए? इसलिए सबसे पहले यह तय करना होगा कि मुफ्त बांटना या मुफ्त में कोई चीज देने की घोषणा का क्या मतलब है? एक लोक कल्याणकारी राज्य में नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं देने को मुफ्त में देना नहीं कहा जा सकता है। ऐसा कह कर देश के नागरिकों को अपमानित किया जा रहा है। उनकी गरिमा गिराई जा रही है। उन्हें मुफ्तखोर ठहराया जा रहा है, जिसके लिए पार्टियों ने लाभार्थी या नमकहलाल मतदाता जैसे जुमले गढ़ लिए हैं। हकीकत यह है कि कोई भी सरकार किसी नागरिक को मुफ्त में कुछ नहीं देती है। देश के नागरिक हर सेवा या वस्तु के लिए कर के रूप में कीमत चुकाते हैं। उसी पैसे से नागरिकों को कुछ सेवाएं या वस्तुएं दी जाती हैं।

जितनी एकता आदिवासी दिवस मनाने में दिखती है उससे कहीं ज्यादा एकता आदिवासी अधिकारों को लागू करवाने में दिखानी होगी-बरखा लकड़ा

जोहार छत्तीसगढ़- रांची।

विश्व आदिवासी दिवस का मुख्य आदिवासी अधिकारों को पूरे विश्व के आदिवासियों के बीच में प्रोत्साहित कर फैलाना एंव संरक्षित रखना हैं। विश्व के 37 करोड़ आदिवासी जो कि 90 देशों में निवास करते है वहाँ ये थी धीरे-धीरे फैल रहा हैं।

विश्व आदिवासी दिवस मानाने का श्रेय अमेरिका के आदिवासियों को जाता है। आपको बता दें कि अमरीकी देशों में 12 अक्टूबर को हर साल कोलंबस दिवस मनाया जाता है। अमेरिकी आदिवासियों का मानना था कि कोलंबस उस उपनिवेशी शासन व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिसके लिए बड़े पैमाने पर अमेरिकन आदिवासियों का जनसंहार हुआ था। लिहाजा, आदिवासियों ने मांग की कि अब कोलंबस दिवस की जगह आदिवासी दिवस मनाया जाए।1977 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां पर कोलंबस दिवस की जगह आदिवासी दिवस मनाये जाने की मांग की गई। इसके बाद लगातार संघर्ष बढ़ता गया और फिर आदिवासी समुदाय ने 1989 से आदिवासी दिवस मनाना शुरू कर दिया गया। आगे जनसमर्थन मिलता गया और फिर 12 अक्टूबर 1992 को अमरीकी देशों में कोलंबस दिवस के स्थान

पर आदिवासी दिवस मनाने की प्रथा शुरू हो गई। बाद में संयुक्त राष्ट्र ने आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यदल का गठन किया। जिसकी पहली बैठक 9 अगस्त 1982 को जेनेवा में हुई थी। इसी बैठक के स्मरण में 9 अगस्त की तारीख घोषित की गई। अमेरिका के रेड इंडियनआदिवासियों का आन्दोलन जो कि 500 कबिलाई समूह है। इनके आन्दोलन को प्रेरणास्रोत मानते हुए आस्ट्रेलिया के आदिवासी अपने और अपनी संस्कृति के ऊपर हो रहे अत्याचार का विरोध अस्ट्रेलिया सरकार के सामने करना शुरू कर दिये नतीजा अस्ट्रेलिया सरकार को वहाँ के आदिवासियों की संस्कृ जमी, द्वीप को संरक्षित करने के लिए 22 कानून बनाए जो कि आस्ट्रेलिया के पूरे अधिकार का 40 प्रतिशत हैं। इसके साथ आस्ट्रेलिया की सरकार वहाँ के आदिवासियों की संस्कृति के पतन का जिम्मेवार मानते हुए 2007 में औपचारिक रूप से आस्ट्रेलिया के आदिवासियों से मांफी माँगी थी। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड के माओरी आदिवासी अपनी माओरी भाषा को लेकर इतना संघर्ष किए कि आज उनकी श्माओरी भाषा श् विश्व की लोकप्रिय भाषाओं में से एक हैं। हम सबको को पता है कि पूरे विश्व में 20 प्रतिशत ऑक्सीजन ब्राजील के एमेजन जंगल से आती है।

ये जानते हुए भी एमेजन जंगलों में आग लगा दिया गयाए वहाँ के गुआरानी आदिवासी को अपनी जलए जंगल और जमीन से खदेड़ा जा रहा है उसको बचाने लिए वहाँ के विभिन्न आदिवासियों के द्वारा ब्राजील सरकार का कड़ा विरोध कर रहे है। पूरे विश्व में 5 हजार आदिवासी समुदाय एंव उनकी संस्कृति है। 7 हजार इनकी भाषाएँ हैं। पूरे विश्व का 70 प्रतिशत आदिवासी एशिया महादेश में निवास करते हैं। इनका भी संघर्ष जल, जंगल और जमीन का है जिसमें सबसे ज्यादा संघर्ष मलेशिया के बजाऊ लाउट बंजारा समूह के आदिवासी कर रहे है ये आदिवासी पूरी तरह से समुन्द्र पर निर्भर है।

वहीं भारत के अंडमान के जारवा, ओन्गे, ग्रेट अंडमानीज, सेंटेनेलीज, शोम्पेंस और बो आदिवासियों में से सिर्फ चार समुदाय ही बचे रह गए है। अत: हमें विश्व के आदिवासियों के संघर्ष को प्रेरणास्रोत मानते हुए 9 अगस्त के दिन हर आदिवासी राज्यों से राज्य जिला, तहसील, पंचायत और गाँव स्तर से सरकार के ऊपर दबाव बनाते हुए आदिवासी अधिकार को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए एक मेमोरेंडम देना चाहिए इस मेमोरेंडम में इतनी ताकत और एकता होनी चाहिए कि सरकार आदिवासी अधिकार को लागू करने में विवश हो जाए।

मिला जुला

30 दिन में सीएम शिंदे का छठवीं बार दिल्ली दौरा

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट, जेडीयू और शिंदे गुट को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भाजपा नेतृत्व द्वारा मिशन 2024 की रणनीति के तहत संगठन स्तर पर किए जा रहे तमाम बदलावों के बीच केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल व विस्तार की सुगबुगाहट भी है।

संसद के मानसून सत्र के बाद इसकी संभावना जताई जा रही है। विस्तार में जद (यू) व शिवसेना के बागी गुट को जगह मिल सकती है। सरकार में अभी सहयोगी दलों से कुछ ही कैबिनेट मंत्री हैं, फेरबदल होता है तो इसकी संख्या बढ़ सकती है। अभी केंद्र सरकार में पशुपति पारस कैबिनेट मंत्री और अनुप्रिया पटेल व रामदास अठावले बतौर राज्य मंत्री शामिल हैं।

बीते दिनों राज्यसभा कार्यकाल पूरा होने और फिर से चुन कर न आने से जदयू के आरसीपी सिंह व भाजपा के मुख्तार अब्बास नकवी ने इस्तीफा दे दिया था। यह दोनों पद अभी रिक्त हैं। इनमें इस्पात मंत्रालय ज्योतिरादित्य सिंधिया व अल्पसंख्यक

मामलों का मंत्रालय स्मृति ईरानी को दिया गया है।

इस बीच, शिवसेना के बागी गुट के भाजपा के साथ आने और महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद उसे भी केंद्र में जगह दिए जाने की संभावना है। इससे उद्धव ठाकरे को एक और झटका देने के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे वाले गुट का असली शिवसेना का दावा और मजबूत किया जा सकेगा।

प्रभावित हो सकते हैं एक दर्जन मंत्री

केंद्रीय मंत्रिमंडल में अभी प्रधानमंत्री समेत 29 कैबिनेट मंत्री हैं। दो स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्रियों के साथ 47 राज्यमंत्री हैं। राज्य मंत्रियों में दो स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, मंत्रिपरिषद में छोटा फेरबदल किया जा सकता है, जिसमें अधिकतम एक दर्जन मंत्री शामिल या प्रभावित होंगे। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रियों में अभी पांच मंत्रियों के पास तीन-तीन मंत्रालय हैं। इनमें पीयूष गोयल, प्रहलाद जोशी, सर्वानंद सोनोवाल, अश्विनी वैष्णव व जी किशन रेड्डी शामिल हैं।

दो बार समन मिलने पर भी नहीं हुए थे पेश

संजय राऊत के घर सुबह-सुबह पहुंची ईडी की टीम

संजय राऊत पर ईडी की कार्रवाई का क्या है पतरा चाल कनेक्शन?

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय की टीम मुंबई में शिवसेना के नेता संजय राऊत के घर पर आज सुबह-सुबह पहुंच गई. पतरा चाल भूमि घोटाला मामले में दो बार बुलाने पर भी संजय राऊत ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। इसलिए ईडी की टीम आज सुबह-सुबह उनके घर पर पहुंच गई। टीम इस मामले में तीन स्थानों पर सर्च कर रही है. इन तीन में से एक स्थान राउत का निवास है. ईडी की कार्रवाई जारी है. हालांकि एक बार संजय राऊत से 10 घंटे पूछताछ हो चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी आज सुबह करीब 7 बजे शिवसेना नेता संजय राउत के आवास पर पहुंचे. उनसे राउत से पतरा चाल भूमि घोटाला मामले में पूछताछ की जा रही है।

ईडी के मुताबिक पतरा चाल के 672 परिवारों के पुनर्वास के लिए सोसायटी, म्हाडा और गुरू आशीष कंस्ट्रक्शन कंपनी के बीच करार हुआ था। गुरू आशीष कंपनी के डायरेक्टर HDIL के राकेश वाधवान, सारंग वाधवान और प्रवीण राउत थे. कंपनी पर आरोप है कि उसने म्हाडा को गुमराह कर वहां की स्रख्द्ध पहले तो 9 दूसरे बिल्डरों को बेचकर 901 करोड़ जमा किए, फिर मिडोज नाम से एक नया प्रोजेक्ट शुरू करके 138 करोड़ रुपये फ्लैट बुकिंग के नाम पर वसूले। लेकिन 672 असली किरायेदारों को उनका मकान नहीं दिया। इस तरह कंपनी ने 1039.79 करोड़ बनाए।

'देशद्रोही' कहे जाने पर बिफरे शिंदे

कहा- बोलना शुरू किया तो भूकंप आ जाएगा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने गुट के नेताओं को 'देशद्रोही' कहे जाने पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर एक बार फिर तीखा हमला हमला बोला है। उद्धव ठाकरे के परोक्ष रूप से चेतावनी देते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि अगर उन्होंने बोलना शुरू किया तो भूकंप आ जाएगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस से हाथ मिलाने के ठाकरे के फैसले पर सवाल उठाते हुए शिंदे ने यह भी कहा कि वह जानते हैं कि दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के साथ क्या हुआ था। एकनाथ शिंद ने अपने गुरु दीघे की जिक्र करते हुए कहा कि मैं धर्मवीर

के साथ जो हुआ उसका गवाह था। दीघे की गिनती शिवसेना के काफी उत्साहित नेताओं में होती थी, उनकी साल 2002 में एक सड़क दुर्घटना में मौत में हो गई थी। जब से शिवसेना के विधायक दो गुटों में बटे हैं तब उद्धव ठाकरे शिंदे गुट में शामिल विद्रोहियों को देशद्रोही कह कर संबोधित करते हैं।

MLAs के पास से नकदी बरामद होने पर कांग्रेस का आरोप- झारखंड सरकार गिराने के लिए 'ऑपरेशन लोटस'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भाजपा पर झारखंड में 'ऑपरेशन लोटस' के जरिए सरकार को गिराने का आरोप लगाया है। कांग्रेसियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा में पार्टी के तीन विधायकों के पास से बड़ी मात्रा में कैश बरामदी के बाद यह साफ हो गया है। मालूम हो कि कांग्रेस पहले भी भाजपा पर हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली अपनी गठबंधन सरकार को गिराने की कोशिश का आरोप लगाती रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करके कहा, %झारखंड में भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' हावड़ा में एक्सपोज हो गया। दिल्ली में 'हम दो' का गेम प्लान अब झारखंड के लिए है, जो कि उन्होंने महाराष्ट्र में E-D जोड़े को लाकर किया।' मालूम हो कि जयराम E-D के जरिए महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे और देवेंद्र

फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से इशारा कर रहे थे।

नकदी गिनने के लिए मशीन मंगवानी पड़ी- झारखंड से कांग्रेस के तीन विधायकों को शनिवार रात पुलिस ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में रोका। उनके वाहन से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई है। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर जिस वाहन में विधायक इरफान अंसारी, राजेश कच्चाप और नमन बिक्सल कोंगरी सवार थे, उसे पांचला पुलिस थाना क्षेत्र के रानीहाती में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर रोका गया।

हावड़ा (ग्रामीण) की पुलिस अधीक्षक स्वाति भांगलिया ने कहा, %हमें सटीक सूचना मिली थी कि काले रंग की एक कार में भारी मात्रा में पैसा ले जाया जा रहा है। हमने वाहनों की तलाशी शुरू कर दी और इस कार को रोका, जिसमें तीन विधायक सवार थे। कार से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई है।

मनोरा विकासखंड में जनपद पंचायत स्तरीय बैठक सम्पन्न

श्रम दान के माध्यम से कार्यालय सहित अन्य स्थानों का किया गया साफ-सफाई

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में मनोरा विकासखंड में आज जनपद पंचायत स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अनिल तिवारी, तहसीलदार, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के द्वारा वन अधिकार पत्र, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, कोविड टीकाकरण, गोधन न्याय योजना, एनजीजीबी गोबर खरीदी, नरेगा के कार्य, वन पट्टाधारियों के भूमि पर नरेगा द्वारा भूमि समतलीकरण, कुआं,डबरी, तालाब,पशु शेड इत्यादि कार्य कराने और वृक्षारोपण तथा जल संवर्धन विषय पर समीक्षा की गई। बैठक समाप्ति पश्चात व्यापक रूप से फैल रहे गाजर घांस एवं अन्य अनुपयोगी पोधे तथा कुड़ा कचड़ा को श्रम दान से समाप्त करने का अभियान का प्रारम्भ करते किया गया। जनपद पंचायत कार्यालय और मनोरा मुख्य सड़क के किनारे गाजर घास,, अन्य अनुपयोगी पौधे का श्रम दान से सफाई भी किया गया। बैठक एवं श्रम दान में ग्राम पंचायत के समस्त सचिव, रोजगार सहायक, आरईएस एसडीओ उप अभियन्ता, तकनिकी सहायक, पीएमएवाई के ब्लाक सम्वयक, एडीईओ, बीपीएम, एनआरएलएम के क्षेत्रीय समन्वयक एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

आश्रम छात्रावास भ्रष्टाचार का केंद्र बना, आदिवासी छात्रों का किया जा रहा है शोषण - महेश गागड़ा

बीजापुर । बालक आश्रम तामोड़ी के एक छात्र की मलेरिया से मौत के बाद पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकार की मलेरिया मुक्त प्रसार-प्रसार व सर्वे पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए स्थानीय विधायक व जिला प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाया है। गागड़ा ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की प्रकल्पना रही आदिवास बच्चों को आवासीय शिक्षा देने की, जिस पर कांग्रेस की सरकार आते ही ग्रहण लग गया है। मलेरिया से हुई छात्र की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होनें कहा कि जिला प्रशासन आज पर्यंत तक पोटाकेबिन आश्रमों की व्यवस्थाओं का जायजा नही लिया है, सरकार बदलने के बाद से ही आश्रम पोटाकेबिन सिर्फ और सिर्फ सामग्री सप्लाई का केंद्र बना हुआ है यहां सिर्फ ठेकेदार, विधायक व प्रशासन का कमाई का जरिया बनकर रह गया है। गागड़ा ने कहा कि जब से कांग्रेस की सरकार बनी है तब से मलेरिया व अन्य रोगों से ग्रसित हो रहे बच्चों के खानपान, शिक्षा व्यवस्था व स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए स्थानीय विधायक की ओर से व प्रशासन की तरफ से कोई देखरेख नही की गई है। उन्होने कहा कि आदिवासी बच्चों को आवसीय शिक्षा देने की पूर्व सरकार की प्रकल्पना थी जिस पर अब पलीता लगाते हुए बच्चों के भविष्य को अधर में छोड़ दिया गया है बच्चे बेमौत मरे सरकार और विधायक को कोई फर्क नही। पिछले दो वर्षों में सरकार एक ओर बस्तर में मलेरिया मुक्त का नारा देती है, व तमाम सर्वे में मलेरिया से निजात की बात की जाती है वहीं दूसरी ओर मलेरिया से होने वाली मौत सरकार की व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। स्थानीय विधायक व प्रशासन को चाहिए कि वे व्यवस्थाओं का जायजा लेकर बेहतर करे, इस प्रकार से आदिवासी बच्चों को मौत के मुंह में नही छोड़ सकते। संबंधित विभाग के जिम्मेदार जिले के उन संस्थाओं तक पहुंचकर वहां की स्थितियों का जायजा ले खानापूर्ति से समस्यओं का समाधान नहीं होगा। मलेरिया से छात्र दिनेश की मौत के बाद भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिला भाजपा उपाध्यक्ष लवकुमार रायडू के साथ भाजपा पदाधिकारी तामोड़ी आश्रम पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर छात्र की मौत पर हुई लापरवाही को जानने का प्रयास किया।

राज्य में 31 लाख 38 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

राज्य में खरीफ फसलों की 31 लाख 37 हजार 860 हेक्टेयर बुआई हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 65 प्रतिशत है। अब तक खरीफ फसलों के तहत सर्वाधिक 21 लाख 64 हजार 710 हेक्टेयर में धान की बोता बोनी हुई है। जबकि 44 हजार 530 हेक्टेयर में धान की रोपाई हो चुकी है। इसके अलावा मोटे अनाज की 2 लाख 16 हजार 890 हेक्टेयर में, दलहन की 1 लाख 40 हजार 580 हेक्टेयर में, तिलहन की 82 हजार 930 हेक्टेयर में तथा सब्जी एवं अन्य फसलों की 87 हजार 450 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में धान की 2 लाख 61 हजार हेक्टेयर मेंए मक्का की 1 लाख 66 हजार 20 हेक्टेयर में, कोदो कुटकी की 49 हजार 730 हेक्टेयर में, रागी की 1140 हेक्टेयर में इस प्रकार अनाज की कुल बोनी 28 लाख 26 हजार 900 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 74 प्रतिशत है। राज्य में दलहन फसलों की कुल बोनी एक लाख 40 हजार 580 हेक्टेयर में हुई है। जिसमें अरहर 85 हजार 720, मूंग 8160 हेक्टेयर मेंए उड़द 46 हजार 350 हेक्टेयर में तथा कुल्थी की 350 हेक्टेयर में बुआई शामिल है। तिलहन फसलों की बोनी 82 हजार 930 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें मुंगफली 38 हजार 310 हेक्टेयर में, तिल 8210 हेक्टेयर, सोयाबीन 36 हजार 410 शामिल है। साग-सब्जी और अन्य फसलों की बुआई 87 हजार 485 हेक्टेयर में पूरी कर ली गई है।

राज्य में चालू खरीफ सीजन में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की प्रचलित किस्मों के स्थान पर सुगंधित धानए जिंक धान, जैविक धान,मक्का, कोदो.कुटकी, दलहन और तिहलन की फसलों के साथ.साथ गन्ना की खेती को बढ़ावा देने के विशेष कार्यक्रम संचालित है। एक लाख 88 हजार 356 हेक्टेयर में प्रचलित धान के बदले अन्य फसलों के खेती के लिए 3 लाख 54 हजार 868 किसानों ने सहमति दी है। अब तक 38 हजार 442 किसानों द्वारा 25 हजार 549 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना एवं अन्य उद्यानिकी फसलों की बुआई भी पूरी कर ली गई है।

मृतक बालक के परिजनों से मिले कलेक्टर, प्रभारी अधीक्षक को किया निलंबित

बीजापुर । बालक आश्रम तामोड़ी में मलेरिया के कारण कक्षा दूसरी के छात्र की मृत्यु होने की सूचना मिलने पर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा आश्रम पहुंचकर मृतक बालक के परिजनों से मिले और इस दु:ख की घड़ी में परिजनों को सात्वनां दिया। वहीं लापरवाही बरतने वाले प्रभारी अधीक्षक मोतीराम कड़ती को कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। आश्रम में 03 बच्चों को मलेरिया पॉजिटिव होने की बात पता चलने पर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नेलसनार में बेहतर ईलाज के लिए भेजा गया। कलेक्टर श्री कटारा ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास प्रशांत कुशवाह को सभी आश्रम अधीक्षकों को तत्काल मीटींग कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने एवं इस तरह की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए व्यापक स्तर पर कार्यवाही करने को कहा है। वहीं जिले के सभी आश्रमों में साफ-सफाई मच्छरदानी का अनिवार्यत: उपयोग एवं दवाई का छिड़काव करने के निर्देश दिए। भैरमगढ़ बीएमओ डॉ. आदित्य साहू को सभी आश्रम एवं पोटाकेबिन में उपस्थित सभी बच्चों का शत प्रतिशत मलेरिया जांच कराने एवं मलेरिया पॉजिटिव बच्चों को आश्रम मे न रखते हुए तत्काल अस्पताल में भर्ती कर डाक्टरों की निगरानी में बेहतर उपचार के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कटारा ने मलेरिया के रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय को सख्ती से अमल में लाने के निर्देश दिए हैं। भैरमगढ़ बीएमओ डॉ. आदित्य साहू ने बताया कि कुल 06 आश्रम और पोटाकेबिन है, जिसमें 03 आश्रम का मलेरिया जांच हो चुका है, शेष बचे आश्रम एवं पोटाकेबिन में शत-प्रतिशत जांच कर बेहतर उपचार किया जाएगा।

राज्य में खाद बीज और औषधियों की गुणवत्ता की जांच अभियान जारी

बीज.खाद के अमानक नमूनों के लॉटो का विक्रय प्रतिबंधित

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के निर्देशानुसार खाद.बीज एवं पौध संरक्षण औषधि की गुणवत्ता की जांच का अभियान राज्य के सभी जिलों में जारी है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार बीजए खाद और औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। चालू खरीफ सीजन में अब तक बीज के 80 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 62 नमूने अमानक पाए गए हैं। जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चालू खरीफ सीजन में बीज के अब तक 2686 नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं। जिसमें से 2554 सैंपल मानक स्तर के तथा 80 सैम्पल अमानक पाए गए हैं। बीज के 52 नमूनों का परीक्षण अभी प्रक्रिया में हैं। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच.पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा राज्य के विभिन्न उर्वरक विक्रेता फर्मों से अब तक 1472 नमूने लिए गए हैं। जिसमें से 1135 नमूनों की जांच में 1073 नमूने मानक स्तर के तथा 62 अमानक पाए गए हैं। शेष 315 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह कीटनाशक औषधियों के 23 नमूने लिए गए हैए जिसमें से 17 नमूने की रिपोर्ट मानक पायी गई है। शेष 4 सेम्पल निरस्त हो गए हैं। जबकि 2 नमूने की गुणवत्ता रिपोर्ट प्राप्त होना बाकी है।

एक नजर

नगर पालिका परिषद के सब्जी मंडी के शेड में अन्य कारोबारियों को अन्यत्र स्थान में व्यापार करने के दिये गए निर्देश

वर्तमान में सब्जी मंडी शेड में अन्य कारोबारियों का नहीं कब्जा

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जुलाई 2022 को नगर पालिका परिषद के सब्जी मंडी शेड में सब्जी विक्रेताओं के स्थान पर अन्य कारोबारियों के द्वारा स्थान कब्जा किया गया था। उक्त स्थान को नगर पालिका जशपुर के द्वारा निरीक्षण कर सब्जी विक्रेताओं के लिए खाली कराया गया। साथ ही अन्य कारोबारियों को अन्यत्र स्थान संचालित करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने बताया है कि वर्तमान में सब्जी मंडी शेड में अन्य व्यापारियों का कोई कब्जा नहीं है।

सेवानिवृत्त दो कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई

कोरबा । अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से जुलाई माह में कार्यालय सहायक श्रेणी-एक गोवर्धन प्रसाद तिवारी एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक संतोष कुमार सिहानी सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता एचएन.कोसरिया द्वारा उनके कार्य के प्रति समर्पण व लगन के लिए पॉवर कंपनी की ओर से आभार व्यक्त किया गया। मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया के हाथों सेवानिवृत्ति कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता रामजी सिंह, एसएन. देवांगन एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ आरके तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कांफ्रेंस हाल में आयोजित विदाई समारोह में मुख्य अभियंता एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्त तिवारी एवं सिहानी को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। दोनों ही कर्मचारियों द्वारा अपने सेवाकाल में मिले अनुभवों को साझा कया गया। तिवारी की 03 अगस्त 1982 को केटीपीएस कोरबा पूर्व में पहली नियुक्ति हुई थी। उन्होंने विद्युत बोर्ड एवं पॉवर कंपनी में 39 वर्ष 11 माह 28 दिन की सेवाएं दी हैं। जबकि सिहानी की 29 जनवरी 1985 को प्रथम नियुक्ति हुई थी। उन्होंने विद्युत बोर्ड एवं पॉवर कंपनी में 37 वर्ष 6 माह दो दिन की सेवाएं दी हैं।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी आरएस. टेकाम द्वारा सेवानिवृत्ति कर्मचारियों का संक्षिप्त जीवन परिचय का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता एन. लकरा, लोचन सिंह, एनके घृतलहरे, एस. जार्ज, वरिष्ठ रसायनज्ञ उत्तम चंद्रवंशी, प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, लेखाधिकारी विकास कुमार जैन समेत सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के आयोजन में रामनारायण राठौर का विशेष सहयोग रहा।

192 प्रतिबंधित कैप्सूल एवं 15 नशीले इंजेक्शन जप्त

एक आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह के निर्देश पर कोरबा जिले में ऑपरेशन निजात अभियान चलाने की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी मेडिकल स्टोर संचालकों का मीटिंग लेकर प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं की बिक्री न करने की समझाइश दी गई है एवं बैनर पोस्टर के माध्यम से नशे से होने वाले नुकसान के संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । साथ ही अवैध नशे के कारोबार में लगे अपराधियों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है । पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह से मिले निर्देश के अनुपालन में पुलिस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू के पर्यवेक्षण में कोरबा जिले में अवैध नशे के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है । इसी तारतम्य में रामपुर पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक कृष्णा साहू को सूचना मिला की पोड़ीबहार निवासी चेतन कश्यप अपने घर में भारी मात्रा में नशीली टेबलेट एवं इंजेक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर चेतन कश्यप के घर पर जाकर दबिश दी गई, जिसके पास से 18 स्ट्रिप में स्पास्मो प्रॉक्सीवोन नामक टेबलेट कुल 144 नग, 6 स्ट्रिप में पाइबोन स्पास प्लस 48 नग कुल 192 नग टेबलेट एवं पेंटाजोसिन इंजेक्शन 15 नग बरामद हुआ। जिसे विधिवत कार्यवाही कर धारा 22 बी एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

वाणिज्यिक कर मंत्री का दौरा कार्यक्रम

कांकेर । प्रदेश के वाणिज्यिक कर (आबकारी) , वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा 01 अगस्त सोमवार को कांकेर जिले के प्रवास पर रहेंगे। वे प्रात: 10 बजे रायपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे कांकेर पहुंचेंगे और दोपहर 01.45 बजे सर्किट हाउस कांकेर से प्रस्थान कर नरहरपुर विकास खंड के ग्राम बरकई पहुंचेंगे तथा कांवड़ियों के स्वागत कार्यक्रम में शामिल होंगे तत्पश्चात रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

गणेश शंकर विधार्थी पत्रकारिता अलंकरण समारोह संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में राजधानी रायपुर में गणेश शंकर विधार्थी पत्रकारिता अलकरण समारोह का आयोजन किया गया। पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सेवक दिवान के मुख्य आथ्यि में आयोजित समारोह में प्रदेश महासचिव सुनील कुमार यादव सहित प्रवीण खरे,शंशाक दुबे स्माईल खान,कुलेश्वर सिन्हा तथा आर वी वर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानो से आये पत्रकारगण बड़ी सख्या मे उपस्थित रहें । इस दौरान पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पत्रकारो केा स्मृति चिन्ह भी प्रदाय किया गया हैं।

खेल प्रशिक्षण केंद्र के राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में शामिल होंगी सुकमा की 6 बालिकाएं

एथलेटिक्स खेलों में दिखाएंगी दमखम

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई, बिलासपुर में प्रवेश हेतु जिला सुकमा में जिला स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया था। जिसमें 50 से अधिक 13 से 19 आयु वर्ग के बालक बालिकाओं ने हिस्सा लिया। राज्य स्तरीय चयन ट्रायल हेतु एथलेटिक्स एवं कबड्डी में कुल 13 बालक बालिकाओं का चयन किया गया। जिला खेल अधिकारी विरुपाक्ष पुराणिक ने बताया कि राज्य स्तर पर एथलेटिक्स खेल का चयन ट्रायल 2 अगस्त 2022 को पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय इनडोर आउटडोर मैदान में किया जाना हैए जिसमें जिला सुकमा से 6 बालिकाओं को का चयन हुआ है। चयनित प्रतिभागी कुमारी ममला,

कुमारी अंजू नाग, कुमारी चंद्रिका, कुमारी मोती, कुमारी कविता एवं कुमारी कनिषा, योगिता नायक, पीटीआई के नेतृत्व में आज शाम रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर के चयनित प्रतिभागी ग्रामीण अंचलों से संबंध रखते हैं। जिला प्रशासन सुकमा के मार्गदर्शन में इसी तरह 4 अगस्त को कबड्डी खेल में 6 बालिकाओं को राज्यस्तरीय में भेजा जाना हैं। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से एवं खेल प्रतिभाओं को बचपन से ही तराश कर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने हेतु राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र का बहतराई बिलासपुर में निर्माण किया गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ के द्वारा संचालित किए जाने वाले इस आवासीय खेल अकादमी में चयनित खिलाड़ियों के लिए आवासीय, शिक्षा और प्रशिक्षण की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है।

ग्रामीण अंचल की महिला से छेडछाड, ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को शौपा

फरसगांव। फरसगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण अंचल क्षेत्र की अधेड़ महिला के साथ हुई छेड़छाड़, ग्रामीणों ने छेड़छाड़ के एक आरोपी पकड़ा वही एक सह आरोपी ग्रामीणों को चकमा देकर हुआ फरार, फरसगांव पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार एक आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

फरार आरोपी धर्मेंद्र यादव

थाना फरसगांव क्षेत्र की प्रार्थिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी की 30 जुलाई की शाम 5.15 बजे गांव में पानी टंकी बनाने के लिए आकर रुके हुए 02 व्यक्ति के द्वारा घर में जबरदस्ती घुसकर छेड़छाड़ कर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास कर रहा था जिसे मौके पर ग्रामीणों के द्वारा पकड़कर पूछताछ किया गया पूछताछ में मुख्य आरोपी जो घर के अंदर घुसकर प्रार्थिया के साथ छेड़छाड़ कर बलात्कार करने प्रयास कर रहा था उसने अपना नाम पप्पू भारती पिता माखन लाल भारती उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम जवाही दयाल, थाना तरया सुजान, जिला कुशीनगर, उत्तर प्रदेश बताया घटना का सह आरोपी जो कि घटना के दौरान घर के बाहर रहकर निगरानी कर रहा था उसने अपना नाम धर्मेन्द्र यादव उम्र करीबन 40 वर्ष निवासी घाघवा जगदीश थाना तरया सुजान जिला कुशीनगर उत्तरप्रदेश बताया घटना के बाद ग्रामीणों के द्वारा उक्त दोनों आरोपी को पकड़कर रखा गया था जिसमे सह आरोपी धर्मेन्द्र यादव ग्रामीणों को चकमा देकर मौके से फरार हो गया घटना की सूचना पर थाना फरसगांव में अपराध क्रमांक 87 / 2022 धारा 452, 354, 376,511, 34 भा द.वि. कायम कर विवेचना में लिया गया है विवेचना के दौरान घटना के मुख्य आरोपी पप्पू भारती पिता माखन लाल भारती निवासी जावही दयाल जिला कुशीनगर राज्य उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय से न्यायिक रिमाण्ड प्राप्त कर जेल दाखिल किया जा रहा है। फरार आरोपी की क्षेत्र में लगातार पतासाजी की जा रही है। प्रकरण की विवचना एवं आरोपी गिरफ्तारी में स.उ.नि. रूखमणी मंडावी एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है ।

एक नजर

समस्त यादव समाज का जिलास्तरीय बैठक कृषि उपज मंडी प्रांगण बेमेतरा में संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

31 जुलाई दिन रविवार को समस्त यादव समाज जिला बेमेतरा का एकदिवसीय बैठक कृषि उपज मंडी प्रांगण बेमेतरा में रखा है। बैठक में यादवों का प्रमुख त्यौहार कृष्ण जन्माष्टमी के संबंध में विषेश चर्चा किया गया। और आगामी समय पर होने वाले गतिविधियों पर कार्ययोजना तैयार किया गया। बैठक में सुंदर यादव, प्रमोद गौसेवक, आनंद यादव, बीरसिंह यादव, नंदू यादव, नारद यादव, पुरूषोत्तम यादव, अमित यादव, मुन्ना यादव, सुरेश यादव, सतीश यादव, नरेश यादव, रोशन यादव, लक्ष्मण यादव, दामोदर यादव, राजा यादव, जयंत यादवए पप्पू यादव सहित जिला के प्रमुख यादव बंधुगण मौजूद रहे।

आबकारी विभाग जशपुर की कार्यवाही 1.600 किलोग्राम गांजा के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुरनगर।

मादक पदार्थों के खिलाफ जारी अभियान के तहत सचिव सह आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ द्वारा मादक पदार्थों के विक्रय, परिवहन, धारण पर नियंत्रण हेतु कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य में कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी रमेश कुमार सिन्हा के निर्देशन में विगत दिवस को दुलदुला थाना क्षेत्रांतर्गत में मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए ग्राम लोरो डोफा मेन रोड थाना दुलदुला निवासी रूपेश गुप्ता पिता रमेश गुप्ता के ठेला कब्जे से 1.600 किलोग्राम गांजा जप्त किया गया। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण कायम कर आज न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल किया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी, सुश्री शशिकला पैंकरा, आरक्षक श्याम सुन्दर सिंह, रामलाल भगत,सुभाष कुजूर, त्रियक्ष सलाम,मदन गुप्ता, महिला सैनिक पूनम टोप्पो का सक्रिय योगदान रहा।

अवैध रेत उत्खनन में 7 ट्रेक्टर ज़ब्त

कोरबा । पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह के द्वारा अवैध डीजल सट्टा कबाड़ कोयला एवं रेत के तस्करो के उपर अंकुश लगाने हेतु चलाये गये मुहिम के अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा तथा नगर पुलिस महोदय दर्री सु लितेश सिंह के मार्ग दर्शन एवं थाना प्रभारी कुसमुण्डा नवीन कुमार देवांगन के नेतृत्व में पुलिस सहायता केन्द्र सर्वमंगला के द्वारा दिनांक 30/07/2022 को दौरान पेट्रोलिंग के अहिरन नदी के पास ट्रैक्टर क्रमांक 1, सोल्ड 2, सीजी 12 बी एएक्स 6550 /3 सीजी 12 बीएफ 7057/4– सीजी 12 एएक्स, 6134/5– सीजी 12 बीबी–4884 मय ट्रॉली सभी मे रेत लोड हालत में पाया गया एवम बरमपुर जोड़ा पुल के नीचे ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 12 बीएफ 9923 एवं सीजी 12 एजेड 4873 ट्रॉली में रेत भरा हुआ पाया गया ।

बुढ़ामहादेव कांवरी जलयात्रा समिति ने बैरागबन नर्मदेश्वर महादेव में जलाभिषेक किया

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

समिति के संजय चंदेल एवं सुनंदा चंदेल के मुख्य यजमानत्व एवं पुरोहित पंडित पंचानन महाराज के वैदिक ऋचाओं के सस्वर गायन के बीच समिति के सदस्य एवं नगरवासियों ने कतार ब होकर एक दूसरे को जल से भरे पात्र को देते हुए विश्व मंगल की कामना एवं अच्छी बारिश के लिए भगवान भोलेनाथ को जल की धारा अर्पित की गई ज्ञात हो कि विगत 12–1 3वर्षा से समिति द्वारा नर्मेदेश्वर महादेव मे जलाभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बालकृष्ण मिश्रा,

मुकेश श्रीवास्तव,शुकदेव कश्यप,परदेशी राम पटेल,सोमेश्वर चित्रकार, विश्राम पटेल, मैकुराम साहू,हरिशंकर पांडेय,संतोष तंबोली,पवन विश्वकर्मा रविंद्र सोनी, द्वारिका पटेल,श्रवण विश्वकर्मा,राजू परधान,पितांबर भारत, रूखमणी मिश्रा अर्चना मिश्रा,सुधा शुक्ला सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। जलाभिषेक के पश्चात मंदिर की मुख्य पुजारिन पूर्णिमा दुबे के आग्रह पर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के सभाकक्ष के जीर्णोद्धार के लिए समिति के सदस्यों ने नगर के गणमान्य जनो के हस्ताक्षरयुक्त आवेदन पत्र महामाया मंदिर ट्रस्ट रतनपुर के मैनेजिंग ट्रस्टी सुनील सोंनथालिया को सौपां।

सोरिद बनसिवनी सड़क मार्ग में जानलेवा गड्ढे

सड़क की बरबादी के लिए लापरवाह लोक निर्माण विभाग ही जिम्मेदार

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की देखभाल और रखरखाव के प्रति गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। इसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की स्थिति दिनोंदिन बद से बदतर होती जा रही है। इन बदहाल सड़कों पर ग्रामीणों को आवाजाही करते हुए अनेक प्रकार से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम सोरिद से ग्राम बनसिवनी के लिये सड़क मार्ग की स्थिति इस कदर दयनीय है किए मात्र 2 किलोमीटर लंबी सड़क अनेकों जगह से बढ़ गई है। 100 से भी अधिक स्थानों पर छोटे बड़े गड्ढे बन गए हैं। जिन पर आवाजाही करते हुए लोगों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ रहा है। इस सड़क पर कभी भी कोई बड़ी वाहन दुर्घटना घट जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है किए इस मार्ग पर अक्सर जिम्मेदार अधिकारियों सहित चुने हुए जनप्रतिनिधियों और नेताओं का आना जाना होता है, लेकिन जिम्मेदार जनों की उदासीनता बरकरार रहने से सॉरी बन शिवनी मार्ग का उद्धार भी लंबित है।

ट्रैक्टर में जेक चढ़ाते वक्त ड्राइवर की लापरवाही से युवक की मौत

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

30 जुलाई 2022 को दोपहर करीब 2 बजे कॉलेज रोड कृष्णा अलमारी फैक्ट्री के पास सावन स्वीट्स के मालिक का बिना नंबर का ट्रैक्टर का ट्राली में जैक चढ़ाते वक्त ड्राइवर की लापरवाहीं की वजह से घनश्याम पाव की मौत हो गई बताया जा रहा है। कि ड्राइवर की लापरवाही की वजह से जैक फिसल गई और पास में खड़े घनश्याम पाव पिता बेद प्रसाद पाव उम्र 30 वर्ष निवासा जोगीअमराई की पीठ पर जा गिरी जिससे घनश्याम जमीन पर गिर गया जिसकी वजह से उसके नाक मुंह से खून बहने लगा है चोट लगने की वजह से उसे हॉस्पिटल ले जाया गया जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया जिसकी सूचना पाकर रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	–	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	–	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	–	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़

कार्यालय धरमजयगढ़

मो, 9479177711, 7489419194 ,7879121221

मिनी बैजनाथ धाम सिरपुर में हजारों कंवरिये करेंगे गंधेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक

पौराणिक नगरी सिरपुर बना भगवामय

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिले के ऐतिहासिक और पौराणिक नगर सिरपुर स्थित गंधेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक करने कांवरियों का सिरपुर पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। आज दोपहर तक सिरपुर में लगभग तीन हजार से अधिक कावड़ि, श्वेतगंगा बम्हनी तथा अन्य स्थानों से कांवर में जल लेकर पहुंच चुके थे। देर रात तक इनकी संख्या और भी बढ़ने की पूरी संभावना है। कल श्रावण मास के तीसरे सोमवार को सुबह से कतार में गंधेश्वर महादेव का जलाभिषेक प्रारंभ हो जाएगा। ज्ञातव्य है किए पौराणिक नगरी सिरपुर को छत्तीसगढ़ का मिनी बैजनाथ धाम भी कहा जाता है। यहां श्रावण मास में दूर–दूर से शिव भक्त हजारों की संख्या में गंधेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक एवं दर्शन करने आते हैं। कांवड़ियों के लिए सिरपुर में अनेक की स्थानों पर कांवड़ यात्रियो के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है। सेवाभावी लोगों और संस्थाओं द्वारा पैदल कावड़ यात्रा करके सिरपुर पहुंचने वाले शिव भक्तों को पैरों की सिकाई करने के लिए गर्म पानी भी मुहैया कराई जाती है। बीते वर्षो में वैश्विक महामारी कोरोना के चलते एवं हाथी समस्या के दृष्टिगत कांवड़ यात्रियों की संख्या कम हो गई थी। लेकिन इस वर्ष श्रावण मास के प्रथम सोमवार से ही कांवरियों की संख्या में लगातार वृद्धि दिख रही है। कांवड़ यात्रियों की हर तरफ भीड़भाड़ से पूरा सिरपुर भगवामय नजर आ रहा है। सोमवार को तड़के भोर से गंगेश्वर महादेव का जलाभिषेक प्रारंभ होकर दोपहर तक चलते रहने का अनुमान है।

भाजपाइयों ने किया सांसद का स्वागत

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

सांसद चुन्नीलाल साहू कार्यालय द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है। कि अपने विधायकी कार्यकाल में जिला को प्रधानमंत्री आकांक्षी जिला में शामिल करने की मांग रखी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गंभीरता से लेते हुए महासमुंद को 10 आकांक्षी जिला में शामिल किया। प्रधानमंत्री ने हर 3 जिलों में एक मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव रखा और ये प्रस्ताव राज्य सरकार की उदासीनता के चलते था।

लेकिन, सांसद स्वास्थ्य मंत्री मांडविया से मिलकर हो रही लेटलतीफ ी जिस पर केन्द्रीय मांडविया ने मेडिकल कॉलेज की मंगवाई और स्थापना की ठंडे बस्ते में जा रहा साहू ने केन्द्रीय मनसुख भाई मेडिकल कॉलेज की जानकारी दी, स्वास्थ्य मंत्री अधिकारियों से तत्काल जानकारी मेडिकल कॉलेज स्वीकृति दी।

मेडिकल कॉलेज खुलने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को डॉक्टरी की पढ़ाई करने अब बाहर अन्य क्षेत्रों में जाना नहीं पड़ेगा। महासमुंद के ही मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं। सांसद चुन्नीलाल साहू के अथक प्रयास एवं तत्परता के लिए लोकसभा मुख्यालय में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सांसद कार्यालय में उनके आगमन पर उनका भव्य स्वागत कर धन्यवाद ज्ञापित किया। स्वागत के दौरान सांसद कार्यालय प्रभारी मोहन साहू, सांसद प्रतिनिधि पवन साहू, पार्षद देवीचंद राठी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कौशिल्या बंसल, भाजपा जिला मंत्री निरंजना शर्मा, मंडल महामंत्री प्रकाश शर्मा, सांसद प्रतिनिधिद्वय सुधा साहू, राकेश सचदेव, नारेन्द्र गिरी, सहकार भारती जिलाध्यक्ष जितेन्द्र साहू, निराश्रित संघ अध्यक्ष जगन्नाथ छुरा, महेन्द्र सिका, गोपाल वर्मा, जितेन्द्र साहू, डॉ देवेन्द्र साहू, विक्की गुरूदत्ता, महिला मोर्चा नेत्री सुरेखा कंवर,पार्वती साहू, सुनिता साहू, मधु यादव, अरविंद प्रहरे, जन शिक्षण सेवा संस्थान के नर्सिंग की छात्राओं सहित शहर की जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला–रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक –**नारायण बाईन,** फोन –फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in